श्री प्रमोद तिवारी (उत्तर प्रदेश) **:** सर, एक मिनट।...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Not allowed. You associated for two minutes.

श्री प्रमोद तिवारी : मैं यह कहना चाहता हूं कि जो...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, it will not go on record.

SHRI PRAMOD TIWARI: *

श्री उपसभापति : वोरा जी, बोलिए।

SHRI MOTILAL VORA: How can I speak? ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: At this stage, how can you speak when others are speaking? What can I do? ...(*Interruptions*)... आप बोलिए।

SHRI MOTILAL VORA (Chhattisgarh): What to speak, how to speak, I know. But my friend is also speaking. How can I disturb him? Please ask him to sit down.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, he is not speaking; please speak.

Call for indefinite strike by doctors in Delhi

श्री मोती लाल वोरा (छत्तीसगढ़) **:** महोदय, सरकार ने बहुत बड़े वायदे किए कि सब की सुरक्षा हो, लेकिन मैं दिल्ली के सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर्स की हड़ताल की ओर ध्यान आपका आकर्षित करना चाहता हूं। बीस हजार डॉक्टर्स दिनांक 27 फरवरी, 2015 से हड़ताल पर चले गए हैं। उनकी मांग है कि अस्पताओं की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए, वार्ड में सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाए जाएं, मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के नियमों के अनुरूप काम के घंटे तय किए जाएं तथा स्वाइन फ्लू के लिए आइसोलेटिड वार्ड बनें। डॉक्टर्स की हड़ताल के कारण स्वास्थ्य सेवाएं एकदम चरमरा गई हैं और मरीज तड़प रहे हैं। मार्च, 2015 से फेडरेशन ऑफ रेजीडेंट्स डॉक्टर्स एसोसिएशन भी अपनी 16 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जा रहा है, जिससे स्थिति और भी गंभीर हो जाएगी। डॉक्टर्स की मांगें सर्वथा उचित हैं। मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह तत्काल इस दिशा में कदम उठाए, ताकि डॉक्टर्स की हड़ताल खत्म हो सके तथा अस्पतालों में आने वाले मरीजों का भली-भांति इलाज हो सके। माननीय उपसभापति महोदय, अभी हाल में अमेरिका के राष्ट्रपति भारत आए थे। दिल्ली में 16,000 सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाए गए। डॉक्टर्स की केवल यह मांग है कि उनके अस्पतालों में भी सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाए जाएं। आपको शायद इस बात की जानकारी होगी कि सफदरजंग अस्पताल में और गुरु तेगबहादुर अस्पताल में डॉक्टर्स पर लगातार हमले हो रहे हैं और उनकी सुरक्षा करने की जिम्मेदारी सरकार की बनती है। लेकिन सरकार इन सारी बातों पर ध्यान नहीं दे रही है। डॉक्टर्स के हड़ताल पर जाने के कारण आज फिर इन अस्पतालों के सारे मरीजों की स्थिति काफी गंभीर है। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को निर्देशित करें कि वे अस्पतालों के डॉक्टर्स की हड़ताल समाप्त कराने की दिशा में कड़े कदम उठाएं।

---

* Not Recorded.